नर्क से करना किनारा,
मुख स्वर्ग की तरफ करना
बुद्धि योग नर्क से निकालना
माया के तूफानों को पार करना
नष्टोमोहा बनना ,निर्विकारी हंस बनना
बाप को एकदम सरेंडर हो बनना.. पुण्य आत्मा
मुरली मिस नही करना,मुरली रोज़ पढ़नी
भिन्नता को मिटा एकता लाना
सेवाधारी स्वयं प्रति नही सेवा प्रति बनना
सब कुछ ब्रह्मा बाप समान स्वाहा करना
परमात्म प्यार में खो दुःख की दुनिया को भूल जाना

ॐ शांति
मेरा बाबा